प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक :06 फरवरी, 2026 :-

(1)धनबाद: माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ), धनबाद में "स्मार्ट माइनिंग, क्रिटिकल मिनरल्स और ग्रीन एनर्जी : आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता" विषय पर आयोजित इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट इंटरैक्शन कॉन्क्लेव एवं प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद की शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित यह कॉन्क्लेव ज्ञान, शोध और उद्योग के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विज्ञान भारती, सीएसआईआर-सिम्फर (CSIR-CIMFR) तथा टेक्समिन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट समन्वय की एक सशक्त पहल बताया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद ने लगभग एक शताब्दी से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खनन, भू-विज्ञान और ऊर्जा के क्षेत्र में इस संस्थान का योगदान देश के औद्योगिक विकास की आधारशिला रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, विज्ञान, उद्योग और नीति-निर्माण से जुड़े विशेषज्ञों का एक मंच पर एकत्रित होना अत्यंत सार्थक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्मार्ट माइनिंग और क्रिटिकल मिनरल्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। झारखंड जैसे खनिज संपदा

से समृद्ध राज्य के लिए यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि खनन गतिविधियों को आधुनिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदायों के हितों के साथ संतुलित रूप से आगे बढ़ें, ताकि विकास टिकाऊ, संतुलित और समावेशी हो।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में उपलब्ध कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट सहित अन्य खनिज संसाधन देश की ऊर्जा सुरक्षा, आधारभूत संरचना और विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत@2047' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों और युवाओं की भूमिका 'विकसित भारत' के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईआईटी (आईएसएम) जैसे संस्थान नवाचार और शोध के प्रमुख केंद्र हैं, जहाँ से भविष्य की तकनीकों का विकास होगा। जब ज्ञान के साथ राष्ट्र निर्माण का भाव जुड़ता है, तब प्रतिभा देश के लिए सकारात्मक और सशक्त परिवर्तन का माध्यम बनती है।

राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त की कि इस कॉन्क्लेव से निकलने वाले सुझाव और संकल्प देश के औद्योगिक एवं ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेंगे।

(2)बोकारो (चास): माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज जिला रामरुद्र सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, चास, बोकारो में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना राज्य के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। जब विद्यालय के नाम में ही 'एक्सीलेंस' अर्थात उत्कृष्टता निहित है, तो विद्यार्थियों का लक्ष्य भी हर हाल में उत्कृष्टता प्राप्त करना होना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विद्यार्थियों से केवल उनके अभिभावकों को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को बड़ी अपेक्षाएँ हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा समय के महत्व को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सीखी गई छोटी-बड़ी आदतें–जैसे समय पर आना, नियमित अभ्यास करना और अनुशासन बनाए रखना, जीवन में आगे चलकर सफलता की आधारशिला बनती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सपने वे नहीं हैं जो नींद में देखते हैं, बल्कि सपने वे होते हैं जो उन्हें पूरा किए बिना सोने नहीं देते। उन्होंने कहा कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, आत्मविश्वास, परिश्रम और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने तथा अध्ययन और आत्म-विकास पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी।

राज्यपाल महोदय ने अपने संघर्षशील जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि जब वे दो वर्ष के भी नहीं थे, तभी उनके पिता जी का देहांत हो गया था। वे ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। आज जो भी हैं, इसमें उनके माता का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियाँ भी व्यक्ति को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकतीं, यदि उसके भीतर दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास हो।

राज्यपाल महोदय ने संवाद के क्रम में कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश दिया तथा कहा कि अनावश्यक रूप से अन्य दिशाओं में ध्यान भटकाना अपने साथ अन्याय करना है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार उसकी शिक्षा होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में बारहवीं तक की शिक्षा की स्थिति अच्छी तो है, किन्तु उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे हैं। इसमें सुधार लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता के त्याग को स्मरण रखने तथा शिक्षकों का सम्मान करने का आग्रह किया।

राज्यपाल महोदय ने संवाद के क्रम में विद्यार्थियों से कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की समस्या हो तो वे उन्हें पत्र लिखकर अवगत करा सकते हैं।

(3)माननीय राज्यपाल महोदय के निदेश पर लोक भवन, राँची उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु दिनांक 2 फरवरी से 8 फरवरी, 2026 तक खोला गया है। आज 49124 लोगों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। अभी तक कुल 107183 लोगों ने लोक भवन, रांची उद्यान का भ्रमण व परिदर्शन किया। उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है।

लोक भवन उद्यान का भ्रमण करने हेतु इच्छुक व्यक्ति लोक भवन के गेट संख्या 2 से सुरक्षा जांचोपरांत 1 बजे अपराह्न तक आ सकते हैं।